

सति संगति सींगारुड़ी शोभे फूलनि बंगले।
अमड़ि प्राण आधार डी ” ” ” ” ॥

अजु बणियो आ महलु फूलनि जो
पूरणु उमंगु थियो आ मन जो
दासनि जो दिलदार डी शोभे.....

गुलड़नि हार सींगारु गुलनि जो
जानिब जामो जरीदार गुलनि जो
गुलड़नि खां सुकुमार डी शोभे.....

गोद साईं अ जी फूली फुलवाड़ी
प्रेम मगनु वेठा प्रीतम प्यारी
सिक वारनि सरदार डी शोभे.....

कोकिल कीर था बोलनि बालियूं
साईं साहिब खे दियनि था लोलियूं
जिये युगल रिझिवार डी शोभे.....

साईं साहिब संत मुकुट मणी आ
श्री मैथिलि चंद्र जंहि जो दिल जो धणी आ
कुरिब भरियो करतार डी शोभे.....

साईं साहिबु हिंदु सिंधु जो हीरो
मस्तक ते शोभे मणि मुकुट पीरो
जगु चवे जयकार डी शोभे.....

सियरघुवर जो प्रेम पुजारी
तत सुख स्नेह जी धारणा धारी
श्री वैदेहिलि जो बरु डी शोभे.....

श्री मैगसि चंद्र मन मोहन राजा
फूल बंगले में आज बिराजा
गरीबि श्री खण्डि गुलज़ार डी शोभे.....